दिनांक 4 सितम्बर 2017 को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित शिक्षक समागम– 2017 के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण:–

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा आयोजित इस शिक्षक समागम जैसे अहम कार्यक्रम में आप सभी के बीच सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है। कल शिक्षक दिवस है और आज से स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा दो दिवसीय शिक्षक समागम का आयोजन किया जा रहा है। यह राज्य के उन Teachers के लिए भी गौरव का क्षण होगा, जो इस समागम में भाग ले रहे हैं।

शिक्षक दिवस हम सभी अपने देश के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती के अवसर पर मनाते हैं। इस महान शिक्षाविद् का मत था कि उचित शिक्षा से ही समाज में मौजूद समस्याओं का समाधान हो सकता है। उनका मत था कि हमें अपने Education की quality पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। एक बेहतर Teacher कैसा होता है, इसकी मिसाल के रूप में हम उन्हें ले सकते हैं।

वास्तव में शिक्षक, जिसे हम गुरू भी कहते हैं, वे इस संसार के रचनाकार हैं। उन पर ही समाज को दिशा प्रदान करने का अहम दायित्व है। वे बच्चों को जिस राह पर ले जायेंगे, बच्चे उस राह में जायेंगे। हमारे Teacher, बच्चों में मौजूद Talent को निखारने का कार्य करते हैं। इसलिए Teacher को सिर्फ न केवल अच्छी तरह पढ़ाना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने Students के प्रति असीम स्नेह भी रखना चाहिये। उसके साथ खुद के संतान जैसा व्यवहार करना चाहिये और उसके बेहतर भविष्य के बार में

सदा सोचना चाहिये। उन्हें नैतिकवान होना चाहिये, अच्छा आचरण रखना चाहिये तथा समाज के समक्ष बेहतर उदाहरण पेश करना चाहिये। इससे उन्हें समाज में प्रतिष्ठा और आदर स्वयं हासिल होगा।

Teacher का काम है ज्ञान को प्राप्त करना और फिर उसे बांटना। उन्हें ज्ञान का दीपक बनकर चारों तरफ अपना प्रकाश फैलाना है, उनके ज्ञान की गंगा हमेशा बढ़ती रहनी चाहिये। Education का लक्ष्य ही है– ज्ञान के प्रति समर्पण की भावना और निरंतर सीखते रहने की attitude. महान् दार्शनिक अरस्तू ने कहा है कि जन्म देने वालों से अच्छी शिक्षा देने वालों को अधिक सम्मान दिया जाना चाहिए क्योंकि जन्म देने वाले ने तो बस जन्म दिया है, पर शिक्षकों ने जीना सिखाया है। अतएव आप तमाम शिक्षकों से राज्य एवं राष्ट्र को काफी अपेक्षायें हैं। आप ही व्यक्ति के अन्दर मौजूद दुर्गुणों निर्मूल कर न सिर्फ उसे योग्य व्यक्ति बनाने की क्षमता रखते हैं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र को भी प्रकाशमान करते हैं। आप राष्ट्रनिर्माण के महान सारथि हैं।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि शिक्षा के बिना किसी भी राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की कुँजी होती है और आप सब राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं, आप ही के कंधों पर students को आत्मनिर्भर बनाने एवं उन्हें आत्मबल प्रदान करने का दायित्व है, ताकि वे समाज एवं देश की सेवा निष्ठा एवं समर्पण से कर सकें। आप शिक्षक समुदाय ने इस राष्ट्र को सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से सुशोभित करनेवाले Scientist, Educationist,

Doctor, Engineer, Administrative Officer, Police Officer जैसे अधिकारियों के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, आपके असली सम्मान ये गौरवमयी student ही हैं। वास्तव में शिक्षा से जुड़े हुए व्यक्ति का असली सम्मान तब बढ़ता है, होता है जब कोई student यह कहता है, महसूस करता है कि उसकी सफलता के पीछे अमूक Teacher का विशेष हाथ है तथा उनका मार्गदर्शन मिला है।

शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास होता है, उसका उद्धार होता है। ऐसे में, मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारे Teacher अपने liabilities & duty का सदैव निर्वहन करते रहेंगे। Students को school में quality education सुलभ हो, इसके लिए हमारे Teacher निरंतर प्रयासरत रहे। school में drop-out की समस्या दूर हो। बच्चों को education के प्रति motivate करने हेतु मैं भी निरंतर राज्य के विभिन्न schools का visit कर रही हूँ। बच्चों से मिलकर संवाद स्थापित करने का प्रयास करती हूँ।

मैं चाहती हूँ कि हर बच्चा में शिक्षा हासिल करने की ललक हो। वे अपने जीवन में सदा अच्छा बनने एवं करने की सोचे। इस कार्य में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे शिक्षा की उस अलख को जलाये रखने का संकल्प लें, जिसके प्रकाश से पूरी दुनिया व देश रौशनमय हो, ताकि राष्ट्र प्रगति की राह में तेज गति से निरंतर आगे बढ़त रहे।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!